गंगा
बाल पुस्तिका

चतुर्थ पाठ्य

गंगा कायाकल्प

सत्यमेव जयते

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

NAMAMI GANGE

परियोजना का नाम

गंगा नदी, संबंधित व्यक्तियों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

कार्यक्रम

नमामि गंगा कार्यक्रम के अंतर्गत

संस्था के लिए निर्मित

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन

सृजनकार्ता

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

विशिष्ट ध्यान

विद्यालय के छात्रों के लिए अध्ययन पाठ्य

परियोजना टीम

प्रो. विनोद कुमार शर्मा (परियोजना अन्वेषक)
डॉ. श्यामली सिंह (परियोजना अन्वेषक)
सुश्री चारू भनोट (अनुसंधान अधिकारी)
सुश्री कनिष्का शर्मा (अनुसंधान सहायक)
सुश्री इमराना अख्तर (अनुसंधान सहायक)
सुश्री कनिका गर्ग (अनुसंधान सहायक)
सुश्री शोभा राठौर (अनुसंधान सहायक)

गंगा
बाल पुस्तिका

चतुर्थ पाठ्य
गंगा कायाकल्प

सत्यमेव जयते

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
नई दिल्ली

NAMAMI GANGE

सन्देश
महानिदेशक

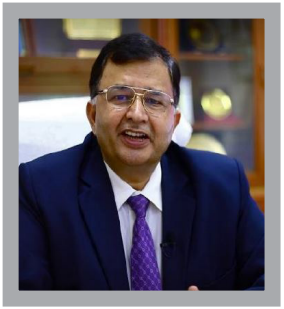

मेरे युवा साथियों,

"छात्र वे हाथ हैं जिनके माध्यम से हमे स्वर्ग की समदर्शिता प्राप्त होती हैं।"

हेनरी वार्ड बीचर के उपरोक्त उदाहरण ने, मुझे हमारी पवित्र गंगा नदी के कायाकल्प और संरक्षण के लिए आपके साथ हाथ मिलाने के लिए प्रेरित किया है। मैं समाज में आपकी भूमिका पर विचार करता हूं और मानता हूं कि इस अत्यंत कठिन कार्य में आपकी भागीदारी से हमारी नदी की वर्तमान स्थिति में सुधार हो सकता है।

गंगा नदी के अवतरण को सार्थक बनाने के लिए आपको गंगा नदी, सम्बंधित व्यक्तियों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम, नमामि गंगे के अंतर्गत इस परियोजना का हिस्सा बनाया जा रहा है। गंगा हमारी संस्कृति के मूल में निवास करती है और यह हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारी राष्ट्रीय नदी के सामने आने वाली जटिल चुनौतियों के बारे में आपकी जागरूकता, बड़े पैमाने पर समाज के व्यवहार में परिवर्तन ला सकती है।

मैं एक छात्र की क्षमता पर विचार करता हूं जोकि भविष्य में स्वच्छ सांस लेने की दिशा में योगदान करता है। गंगा नदी के प्रति अपनत्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए आपकी भावनाओं, विचारों और जागरूकता के साथ मिलना मेरी आशा और अपेक्षा है। मुझे आपकी जिज्ञासा और क्षमता पर विश्वास है और आशा है कि हम सब मिलकर सबकी मानसिकता को बदल सकते हैं और इसे व्यावहारिक रूप से लागू कर सकते हैं।

इस पुस्तिका के माध्यम से, आपको गंगा नदी और उनके बेसिन की यात्रा पर ले जाया जाएगा। मैं आपके मस्तिष्क पर एक छवि बनाना चाहता हूं और आप में से प्रत्येक को जिम्मेदार वयस्कों में ढालना चाहता हूं। सीखने की इस प्रक्रिया को मानचित्रों, प्रश्नोत्तरी और पहेलियों के समावेश के साथ आपकी प्रभावी भागीदारी के लिए तैयार किया गया है

सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी
महानिदेशक
भारतीय लोक प्रशासन संस्थान

प्रस्तावना

प्रिय विद्यार्थियो,

वैश्विक तथा धार्मिक स्तर पर, जल को प्राकृतिक शुद्धता का प्रतिक माना जाता हैं | भारतीय नदियां, कई लोगों के लिए जीवन रेखा होने के अलावा, परमात्मा की अभिव्यक्ति के रूप में मानी जाती है। वे राज्य को दूसरे राज्य से , अतीत को वर्तमान से जोड़ती हैं। गंगा हमारी पवित्र नदी है जिसका सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण इतिहास है। यह सिर्फ एक नदी नहीं है, अपितु एक देवी है, जो हमारे पापों को दूर करने वाली है; यह हमारी माँ है।

गंगा नदी समृद्ध भारत के अतीत का हिस्सा है। यह शुद्धता और पवित्रता की प्रतीक है। यह देश की सामूहिक चेतना में एक केंद्रीय स्थान रखती है, यही कारण है कि गंगाजल को पवित्र जल माना जाता है। गंगा नदी न केवल असाधारण रूप से समृद्ध जैव विविधता को बढ़ावा देती है, बल्कि यह भारत की आजीविका में भी बहुत अधिक योगदान देती है...

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नदी के गौरवगान और सम्मान के बावजूद, यह असंख्य स्थानों पर अति दूषित हो गयी है। मानवीय लालच और दुराचार ने नदी की गुणवत्ता को खराब कर दिया है। यह वास्तव में चिंता का विषय है कि नदी ने पिछले कुछ वर्षों में अपने प्रवाह को बदल दिया है; इसके साथ ही, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एन.एम.सी.जी) ने, मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लाभ के लिए नदी को स्वच्छ, शुद्ध और स्वस्थ रखने के लिए कदम बढ़ाया है। यह भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के लिए गर्व की बात है कि नमामि गंगे परियोजना ने गंगा नदी, सम्बंधित व्यक्तियों के लिए मिश्रित क्षमता निर्माण कार्यक्रम हमें सौंपा है।

गंगा नदी के संरक्षण और कायाकल्प के उद्देश्य से, छात्रों को हमारी राष्ट्रीय नदी के साथ समन्वय बिठाने के लिए यह श्रृंखला तैयार की गई है। इस पुस्तक में गंगा बेसिन में एवं उसके आसपास की चुनौतियों तथा अवसरों को दिखाते हुए गंगा नदी के समग्र दृष्टिकोण को प्रस्तुत किया गया है।

विनोद कुमार शर्मा
(वरिष्ठ प्रोफेसर)

श्यामली सिंह
(सहायक प्रोफेसर)

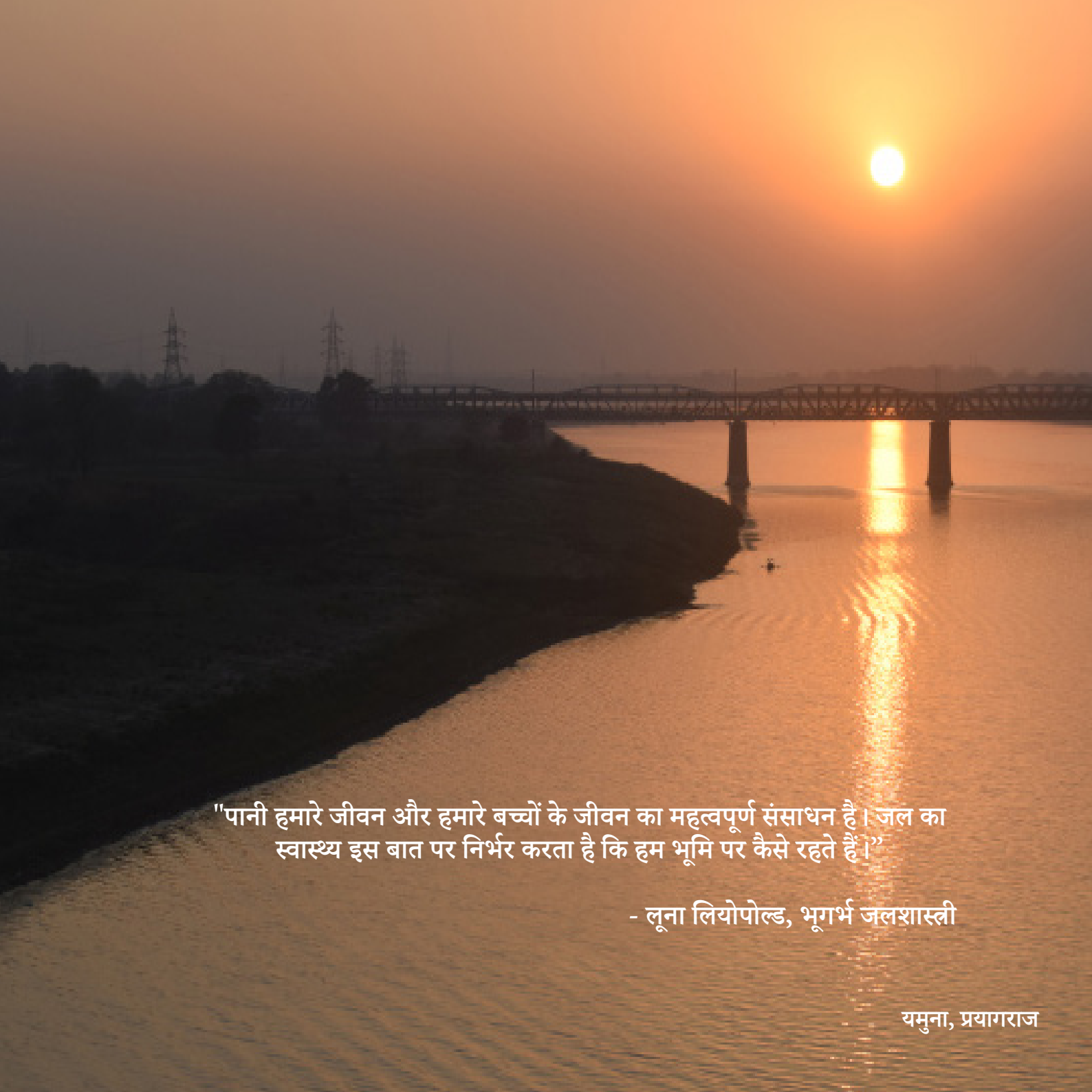

"पानी हमारे जीवन और हमारे बच्चों के जीवन का महत्वपूर्ण संसाधन है। जल का स्वास्थ्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम भूमि पर कैसे रहते हैं।"

- लूना लियोपोल्ड, भूगर्भ जलशास्त्री

यमुना, प्रयागराज

लगता है कि अब आप सोच रहे होंगे कि हम यहाँ क्यों हैं.....

गंगा बेसिन के लिए **सतत और व्यवहार्य आर्थिक विकास** को विकसित करने के लिए, नमामि गंगे मिशन ने **अर्थ गंगा** की दूरदर्शी अवधारणा के माध्यम से **गंगा कायाकल्प** के लिए लोगों की भागीदारी को एकीकृत करके उसका नेतृत्व किया है।

इस कार्यक्रम का एक प्रमुख उद्देश्य, **क्षमता और जन जागरूकता** को मजबूत करना और **बहु-क्षेत्रीय समन्वय** को बढ़ावा देना है। 'एन.एम.सी.जी.' हितधारकों की भागीदारी से जनमत तैयार करके गंगा नदी के संरक्षण पर जोर देता है। विभिन्न मंचों के माध्यम से और कई स्थानों पर नई शोध पहल, क्षमता निर्माण, सूचना संयोजन और ज्ञान प्रसार की सुविधा के लिए, गंगा नदी कायाकल्प के लिए ज्ञान आधारित संस्थान-गंगा ज्ञान केंद्र (जीकेसी) स्थापित किया गया था।

क्या आप एन.एम.सी.जी. के बारे में जानते हैं? .....

12 अगस्त 2011 को MoEF & CC (विदेश मंत्रालय और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय) में एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत हुई थी। इसका संचालन क्षेत्र गंगा नदी बेसिन है। गंगा नदी के स्वस्थता को बहाल करने के लिए चार परिभाषित दृष्टिकोण सबसे उपयुक्त थे। कार्यक्रम के मिशन की पहचान निम्नलिखित हैं।

निर्मल

- मल आधारभूत संरचना
- मॉड्यूलर मलजल उपचार संयंत्र का विकेंद्रीकृत उपचार
- नदी सतह की सफाई
- औद्योगिक प्रदूषण उपशमन
- ग्रामीण स्वच्छता

अविरल

- जैवविविधता संरक्षण
- वनरोपण
- जैविक उपचार

ज्ञान गंगा

- गंगा निगरानी केंद्र
- अनुसंधान और विकास
- गंगा ज्ञान केंद्र

जन गंगा

- घाट और श्मशान
- नदी तटाग्र विकास
- घाटों की सफाई
- जिला गंगा समिति
- समग्र पारिस्थितिक कार्य बल

एन.एम.सी.जी. द्वारा कार्यान्वित, नमामि गंगे एक एकीकृत गंगा नदी संरक्षण मिशन है जिसे जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया था ताकि प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन, संरक्षण और राष्ट्रीय नदी गंगा के कायाकल्प के दोहरे उद्देश्य को पूरा किया जा सके।

कार्यक्रम के मिशन की पहचान निम्नलिखित हैं।

हम बेसिन आधारित दृष्टिकोण की ओर कैसे बढ़े?

GAP I

जी.ए.पी. गंगा नदी के मुख्य पथ पर केन्द्रित
25 शहरों में शामिल,
260 योजनाओं को पूरा किया गया।

Launched in 1985

NRCP

एन.आर.सी.पी. देश की 41 प्रमुख नदियों को शामिल किया गया , जिनमे से 8 गंगा बेसिन नदियों को लिया गया है, नामतः बेतवा, चंबल, गंगा, महानंदा, मंदाकिनी, रामगंगा, यमुना।

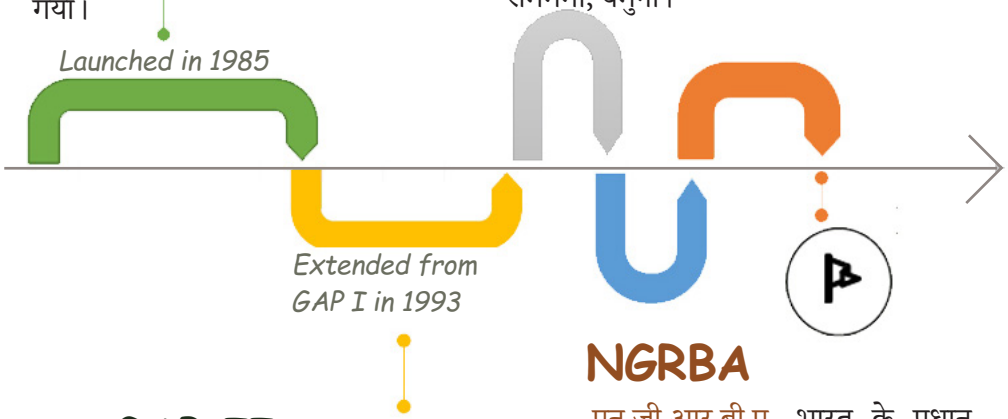

Extended from GAP I in 1993

GAP II

1996 में एन.आर.सी.पी. में विलय कर दिया गया, चार सहायक नदियों- यमुना, गोमती, दामोदर और महानंदा पर काम शुरू किया गया।

NGRBA

एन.जी.आर.बी.ए. भारत के प्रधान मंत्री द्वारा अध्यक्षता की गई केंद्र में कार्यान्वयन निकाय एनएमसीजी और राज्यों में एसपीएमजी द्वारा।

Namami Gange

नमामि गंगे गंगा संरक्षण के लिए अलग मंत्रालय के तहत परियोजना, 11 बेसिन राज्यों में गंगा की सभी सहायक नदियों के लिए संरक्षण उपायों को शामिल किया गया।

जी.ए.पी.: गंगा कार्य योजना
एन.आर.सी.पी.: राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना
एन.जी.आर.बी.ए.: राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण
एन.एम.सी.जी.: स्वच्छ गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन
एस.पी.एम.जी.: राज्य कार्यक्रम प्रबंधन समूह

गंगा की कायाकल्प के लिए इस दृष्टिकोण की आवश्यकता क्यों थी?

गंगोत्री से हरिद्वार

ऊपरी भाग

चुनौतियां

वनों की कटाई

देशी औषधीय और जड़ी-बूटियों के पौधों की हानि

अत्यधिक संवेदनशील और नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र और जैव विविधता

पर्यटकों की अधिक आमद
पीछे हटते हिमनद

हरिद्वार से वाराणसी

ऊपरी भाग

चुनौतियां

चुनौतियां भारी मात्रा में जल आहरण और मार्ग पलट

मानवजनित गतिविधियों से प्रदूषक भार

कानपुर की चर्मशोधनशालाएं

वाराणसी से गंगासागर

ऊपरी भाग

चुनौतियां

चुनौतियां नदी तल का अतिक्रमण,
रेत खनन, आदि

बार-बार आने वाली बाढ़ और सूखा

प्रवाहों और हस्तक्षेपों पर अंतर्राष्ट्रीय विवाद

नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत कुछ पहल

बेहतर लकड़ी आधारित श्मशान घाट

औद्योगिक प्रदूषण पर सख्ती

नालों का उपचार

बड़े पैमाने पर वनरोपण अभियान

नदी की सतह की सफाई

118 शहरों में 100% मल उपचार भूमिकारूप व्यवस्था प्रबंध

गंगा घाट, ऋषिकेश

आपकी भूमिका

- अगली पीढ़ी को संवेदनशील और जागरू बनाने के लिए, गंगा नदी के प्रदूषण और संरक्षण के लिए **एन.एम.सी.जी.** और **नेहरू युवा केंद्र संगठन** के बीच एक दीर्घकालिक साझेदारी पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

- गंगा नदी का भारतीय लोगों और संस्कृति के साथ एक अटूट बंधन है।

- गंगा और लोगों के बीच के संबंध और उनकी आस्था को देखते हुए नागरिक समाज की भूमिका सर्वोपरि है।

क्या आप तैयार हैं, हमारे युवा क्रांतिकारियों?

शुचिता की राह

- नदी के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाएँ।
- वृक्षारोपण और स्वच्छता अभियान में भाग लें।
- जल संरक्षित करें।
- साफ-सफाई बनाए रखें।

भित्ति चित्र

कला को सुलभ बनाने के उद्देश्य से, नमामि गंगे की मोजर्टो और यू.बी.आई. की साझेदारी ने गंगा किनारे की सड़कों और घाटों को प्रकाशित कर दिया। भित्ति चित्र, गंगा को स्वस्थ और स्वच्छ रखने की सार्वभौमिक अपील के साथ पवित्र शहर के सौंदर्य को समृद्ध करते हैं।

कला	कलाकार

बाएँ शीर्ष से

भगवान शिव और ब्रह्मा	नीलेश कलाकार
प्रेसेर्व	डेविड मेग्स हूक
कीर्तिमुख	चिफुमी
सुनहरी मछली	बकी बकी
डिफ्लेटेड	नेवर क्रू

दाहिनी ओर से

प्रकृति के संरक्षक	केंजी चाय
टाइपोग्राफी	कफील

दायें नीचे से

हाथी	सेंकोए और वेलेंटीना पिन्सी
महामृत्युंजय यंत्र	वेलेंटीना पिन्सी
एक युवा लड़की के रूप में देवी गंगा	राजवर्धन कदम
कछुआ	सेंकोए
प्रकाश का स्तंभ	हर्षवर्धन कदम

डिजाइन क्रेडिट -इमराना अखतर

गंगा बैराज, कानपुर

नमामि गंगा एसटीपी, प्रयागराज

नमामि गंगा एसटीपी, प्रयागराज

नमामि गंगा एसटीपी, प्रयागराज

"गंगा की इस भूमि में संस्कृति की शिक्षा थी।
लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह थी कि शिक्षा की संस्कृति थी।"

-पीएम नरेंद्र मोदी

सत्यमेव जयते

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान
इंद्रप्रस्थ एस्टेट, रिंग रोड, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली, दिल्ली 110002

वेबसाइट: www.iipa.org.in